

जिले के शैलचित्रों के संरक्षण की है जरूरत

घोरावल (सं.)। देवगढ़ पर्यावरण समेत तमाम संदेश शुकवार को कवि सम्मेलन का महोत्सव के तहत शनिवार को छिपे हुए हैं। कार्यक्रम की आयोजन किया गया। मुख्य विषय की आदिम सभ्यता और अभ्यक्षता रामशंकर पांडेय और अतिथि डा. सुमेर सिंह शैलेश ने शैलचित्र विषय पर गोष्ठी का संचालन जितेंद्र कुमार सिंह ने आयोजन किया गया। इसमें किया। इस मौके पर डा. बाणल मल्ला, डा. चंद्रमोहन नौटियाल, शैलचित्रों के संरक्षण की जरूरत पर चर्चा की गई।

इंद्रनाथ सिंह, सरजीत सिंह डंग, लखनवी, डा. बृजेश सिंह, महोत्सव में दूर दराज से सहयक मत्स्य निदेशक अरविंद सुधाकर शर्मा, समीश चंद्र आणू विद्वानों ने शैलचित्रों से मिश्रा, सुधाकर शर्मा, पीएल भावुक, राजेंद्र तिवारी, डा. लखन जूड़ी सभ्यता पर प्रकाश डाला। प्रदीप चंद्र शुक्ल मौजूद रहे। राम ने कविता सुनाई। संचालन वक्तव्यों ने बताया कि शैलचित्रों में प्राचीन सभ्यता, देवपूजा, इसके पूर्व कार्यक्रम स्थल पर डा. नरेश काल्यायन ने किया।

